भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2381

गुरूवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पटना में पर्यटन

2381 श्री अखिलेश प्रसाद सिंहः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या गंगा के किनारे धार्मिक, सांस्कृतिक तथा नदी-आधारित पर्यटन सहित पटना की पर्यटन संभावनाओं का आकलन किया गया है;

(ख) पटना के लिए स्वदेश दर्शन, तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) अथवा अन्य केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत संस्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या संपर्कता, आवास और पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं में कोई कमी है; और

(घ) बिहार में सतत पर्यटन अवसंरचना के विकास तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन के दृष्टिकोण से विभिन्न गंतव्यों का मूल्यांकन, उनके अंतर का विश्लेषण आदि सहित सतत पर्यटन अवसंरचना के विकास के परिणामस्वरूप रोजगार सृजन एवं पर्यटन का संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं, जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' और 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' आदि के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधि की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन देश में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पर्यटन के मुख्य

उत्पादों, पर्यटन संबंधी कार्यकलापों, सुरक्षा, स्वच्छता, कनेक्टिविटी, पार्किंग, सामान्य स्थल विकास, सौम्य पहल आदि सहित परियोजना की आवश्यकता के अनुसार गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी सुविधा बढ़ाने वाले कई घटकों को मंजूरी देने पर विचार किया जाता है। मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्थानीय समुदायों से जुड़ने और पूर्ण की गई परियोजनाओं के सुदृढ संचालन और रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ स्थानीय रोजगार सृजन और समग्र पर्यटक संतुष्टि में वृद्धि हो सके।

बिहार राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में बिहार राज्य में 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत 97.61 करोड़ रुपये की 'सहरसा में मत्स्यगंधा झील का विकास' और 49.51 करोड़ रुपये की 'करमचट इको टूरिज्म एंड एडवेंचर हब' नामक परियोजनाओं को मंजूरी दी।

*****

अनुबंध

श्री अखिलेश प्रसाद सिंह द्वारा पटना में पर्यटन के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2381 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

बिहार राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(करोड़ रु. में)

योजना	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष/ परिपथ**	**स्वीकृत राशि**
एसडी	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	33.96
	कांवरिया मार्ग: सुल्तानगंज - धर्मशाला - देवघर का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	44.76
	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	बौद्ध परिपथ 2016-17	95.18
	भितिहरवा - चंद्रहिया - तुर्कौलिया का विकास	ग्रामीण परिपथ 2017-18	44.27
	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	44.55
स्वदेश दर्शन 2.0	बोधगया में बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र का विकास	2024-25	165.44
सीबीडीडी	सोनपुर मेला स्थल का विकास	2024-25	24.29
प्रशाद	पटना साहिब का विकास	2015-16	29.62
	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63
	अंबिका भवानी मंदिर, सारण का विकास	2024-25	13.29

****